B.A. Sanskrit

संस्कृत स्किल विषयक विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Skill Course for Sanskrit

सत्र- चतुर्थ (Semester –4)

आधारभूत पत्र (Core paper) **Paper Code BSA-S411**	**आयुर्वेद के मूल तत्त्व** **Basic Elements of Ayurveda**	**पूर्णाङ्क : 100** **सत्रान्त परीक्षा : 70** **सत्रीय मूल्याँकन : 30** **क्रेडिट : 06**

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

खण्ड – क (Section–A) आयुर्वेद का परिचय

खण्ड –ख (Section–B) चरकसंहिता (सूत्रस्थानम्)

खण्ड – ग (Section–C) योगशतम्

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

आयुर्वेद भारतीय पारम्परिक चिकित्सा विज्ञान की विधा है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र आयुर्वेद का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इस पाठ्यक्रम से प्राप्त ज्ञान छात्रों के दैनिक जीवन में उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं सर्वविध उन्नति में सहायक सिद्ध होगा। इसके माध्यम से छात्र सामान्य रोगों के उपचार निमित्त औषधियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम (Course Outcome) -

- इस पत्र के अध्ययन से छात्र सामान्य रोगों के आयुर्वैदिक उपचार कर सकेगा ।
- आयुर्वेद तथा योग के ज्ञान प्राप्त कर छात्र विविध अर्थोपार्जन में समर्थ होगा

घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)

खण्ड – क (Section–A)

आयुर्वेद का परिचय

घटक (Unit) –1 आयुर्वेद का सामान्य परिचय तथा भारतीय चिकित्सा का इतिहास

घटक (Unit) –2 आयुर्वेद के मुख्य आचार्य – धन्वन्तरी, पुनर्वसु, चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट, माधव, सारंगधर और भावमिश्र

खण्ड –ख (Section–B)

चरकसंहिता (सूत्रस्थानम्)

घटक (Unit) –1 चरकसंहिता (सूत्रस्थानम्) षट् ऋतुओं में प्रकृति एवं शरीर की स्थिति; हेमन्त, शिशिर, वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा तथा शरद में ऋतुचर्या।

खण्ड–ग (Section–C)

योगशतम्

घटक (Unit)-1 योगशतम् (1-50 श्लोक) के आधार पर प्रमुख रोगों की सरल व एवं अमोघ चिकित्सा

Suggested Books/Readings :

1. Brahmananda Tripathi (Ed.), Carakasamhitā, Chaukhamba Surbharati Prakashana, Varanasi 2005.
2. Taittirīyopani_ad –Bh_guvalli.
3. Atridev Vidyalankar, Ayurveda ka Brhad itihasa.
4. Priyavrat Sharma, Caraka Chintana.
5. V. Narayanaswami, Origin and Development of Āyurveda (A brief history), Ancient Science of life, Vol. 1, No. 1, July 1981, pages 1-7.
6. योगशतम्, सम्पादक आचार्य बलकृष्ण / प्रो० विजयपाल प्रचेता प्रकाशक पतञ्जलि योगपीठ, हरिद्वार।